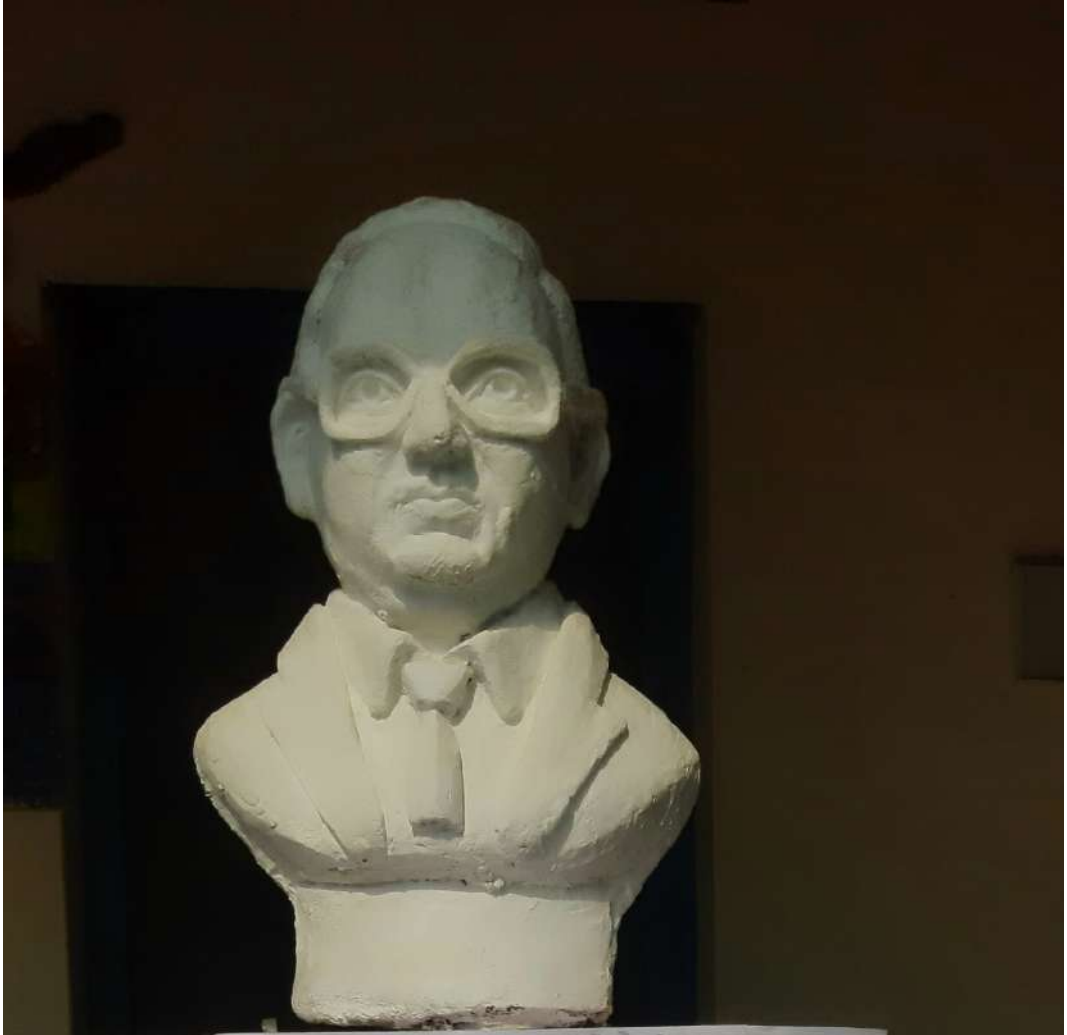

डॉ. भीमराव अंबेडकर
अगस्त 1947 को डॉ० बी. आर. अंबेडकर को सात अन्य सदस्यों के साथ एक
स्वतंत्र संविधान के मसौदा तैयार करने के लिए अध्यक्ष नियुक्त किया गया।
उनका जीवन भारत को एक सम्मान और न्यायपूर्ण
समाज को समर्पित था। कुरीतियों को दूर करने
के क्षेत्र मे उन्होंने समाज को जो योगदान दिया
वह उल्लेखनीय है। उन्हें दलितों का मसीहा भी
कहा जाता है।